<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

आज दिनांक 2 अक्टूबर 2020 को पटना विश्वविद्यालय के द्वारा पटना विश्वविद्यालय कंप्यूटर केंद्र में भारत के दो महान विभूतियों राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा पंडित लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई ।इस कार्यक्रम का आयोजन ऑनलाइन किया गया था। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर बिहार सोशल साइंस एकेडमी के जनरल सेक्रेटरी तथा गांधीवादी विचारधारा से गहरा लगाव रखने वाले डॉक्टर अनिल कुमार राय को आमंत्रित किया गया था। इस कार्यक्रम का आयोजन पटना विश्वविद्यालय के आइक्यूएसी के द्वारा किया गया ।इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के पदाधिकारी ,शिक्षक, कर्मचारी ,संकायध्यक्ष, प्राचार्य तथा छात्र ऑनलाइन जुड़े रहे ।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पटना विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ गिरीश कुमार चौधरी कर रहे थे। पटना विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रोफेसर अजय कुमार सिंह तथा संकायध्यक्ष छात्र कल्याण डॉ एनके झा समेत सभी पदाधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे ।पटना विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रोफेसर अजय कुमार सिंह को आगंतुक अतिथियों को स्वागत करना था लेकिन ऑनलाइन डिस्कनेक्टिविटी के कारण प्रो शेफाली राय ने सभी आगंतुक अतिथियों एवं सहभागी यो का स्वागत किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में बोलते हुए डॉ एके राय ने गांधी जी के मौलिक विचारों एवं सिद्धांतों को याद दिलाते हुए कहा की राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के विचारों की प्रासंगिकता न केवल भारत में है बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उनके सत्य एवं अहिंसा को लोग विकास का मूल मंत्र के रूप में स्वीकार करने लगे हैं ,तभी तो इनके जन्मदिन को विश्व अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है ।उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि गांधी जी धर्म और राजनीति को अलग नहीं मानते थे उन्होंने कहा कि जीवन का शायद कोई ऐसा क्षेत्र है जहां गांधी जी ने अपना प्रभाव नहीं छोड़ा हो। गांधीजी एक व्यक्ति का नाम नहीं है बल्कि वह एक ऐसे सिद्धांत एवं मूल्य का नाम है जिसको अपना कर एक राष्ट्र परंपरागत तरीके से अपने संतुलित विकास का सपना साकार कर सकता है ।उन्होंने कहा कि न केवल भारत बल्कि विश्व के इतिहास में गांधी तथा शास्त्री के विचार एवं सिद्धांतों को जो महत्व मिला है वह शायद विश्व के किसी अन्य व्यक्ति को नसीब नहीं हुआ है ,यह हम सभी भारतीयों के लिए एक गौरव की बात है। आज जरूरत है उनके विचारों को अपने जीवन में उतारने का वही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस अवसर पर इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पटना विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफ़ेसर गिरीश कुमार चौधरी ने गांधीजी के व्यवहारिक जीवन का याद दिलाते हुए स्पष्ट किया की गांधी जी को उनके सत्य अहिंसा परमो धर्म का संस्कार उन्हें अपने माता-पिता से मिला था। उनके माता-पिता बड़े ही धार्मिक प्रवृत्ति के थे जिसका संस्कार गांधी जी को बचपन से ही मिला था ।आज हम सभी माता-पिता ओं का यह कर्तव्य है कि हम अपने बच्चों में वही संस्कार डालें जो उन्हें प्रोफ़ेसर, डॉक्टर, इंजीनियर बनाने से पूर्व एक मनुष्य बनाने में मदद करें। उन्होंने पटना विश्वविद्यालय परिवार के हर सदस्य से अपने बच्चों में वही संस्कार रूपी बीज डालने का आह्वान किया जो न केवल उन्हें सुख दे सके बल्कि समाज एवं राष्ट्र के विकास का तंत्र बन सके। उन्होंने एक बात बिल्कुल स्पष्ट रूप से कहा कि जो संसार आज हिंसा तथा आतंकवाद के साऐ में जी रहा है और जिस गति से युवाओं में मूल्य का ह्रास हो रहा है उसे बचाने के लिए गांधीजी को पढ़ना, समझना तथा उसे जीवन में उतारना आवश्यक ही नहीं बल्कि एक अनिवार्य शर्त है ताकि जिओ तथा जीने दो का सपना

साकार हो सके। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि गांधीजी मूल रूप से परंपरागत विचारों के पोषक थे तथा उनके लिए वसुधैव कुटुंबकम के सपनों को साकार करना मूल उद्देश्य था। इस संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन आइक्यूएसी के निदेशक प्रोफेसर वीरेंद्र प्रसाद के द्वारा किया गया तथा अंत में पटना विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल मनोज मिश्रा ने सभी आगंतुक अतिथियों एवं सहभागी यों को धन्यवाद ज्ञापन किया।